number of post offices opened so far in G.P. headquarters all over the country, and how many G.P. headquarters have been left out? I am interested in knowing about the G.P. headquarters.

श्री बीर बहादुर सिंह : माननीय, ग्राम पंचायत यूनिट्स की जो संख्या है . . .

श्री सभापति : वह डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टस के बारे में पूछ रहे हैं ।

SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Gram Panchayat Headquarters, Sir.

श्री बीर बहादुर सिंह : यह काफी जगह पर खोले जा चुके हैं । लगभग 28 हजार 9 सौ खोले जा चुके हैं ।

SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Sir, my question has not been answered. My question was in how many G.P. Headquarters, post offices have been opened so far and how many headquarters have been left out. I want to know that.

MR. CHAIRMAN : Since the criteria for Panchayat changes, he cannot give you an up-to-date answer. He will have to get the number of headquarters of the different Panchayats in different States. Then only he can answer. He can tell you what he has done. You know the State Governments often change the headquarters of Panchayats and areas of Panchayats. Next question.

*9. *[The questioners (Shri Dhuleshwar Meena and Dr. (Shrimati) Sarojini Mahishi) were absent. For answer* vide *Cols.* 40-41 infra]

STD Lock Facilities

•**10. SHRI** MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government propose to provide dynamic STD lock facilities in digital electronic exchanges . in which telephone subscribers having STD bar will be given **a** secret code number with which they would be able to open or close STD at their own will and the code would not even be known to the exchange people as reported in the Hindustan Times dated the 25th February, 1989;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) what are the names of the exchanges where these facilities are likely to be provided, State-wise; and

(d) by when such exchanges propose to start functioning?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BIR BAHADUR SINGH): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir. Experiments are being conducted on a system called "Subscriber controlled STD" in E-10B type digital electronic exchanges.

(b) Under the system, STD/ISD calls facility can be activated/deactivated by subscriber himself by dialling a code chosen and known to him only.

(c) and (d) This introduction will depend upon the success of the experiment and the facility will be provided to all E-10B exchanges only.

श्री मुख्तियार सिंह मलिक : चेयरमैन साहब, यह जो एक्सपैरीमेंट किया जा रहा है इसका मैं स्वागत करता हूं । अगर यह सक्सेसफुल हो गया तो इससे डिपार्टमैंट के अंदर जो करप्शन चल रहा है, वह एलिमिनेट हो जाएगा ।

चेयरमैन साहब, मैं अपनी एक मिसाल देना चाहता हूं और मैं समझता हूं कि

वीर बहादुर सिंह जी देहात के रहने वाले हैं इसलिए वे मेरी कठिनाई को समझ सकते हैं। मेरा राज्यसभा/लोकसभा का टेलिफोन सन् 67 से चला आ रहा है। दस बीस साल के अरसे के अंदर मेरे कभी तीस हजार कालस पूरे नहीं हुए। मेरे 15 हजार कालस भी नहीं होते लेकिन अब की साल में 30 हजार हो गए और उसके बाद 21 हजार की पेनाल्टी मेरे ऊपर डाल दी गई है। मैंने वीर बहादुर सिंह जी को लिखा था। उसका जवाब आया है कि रिबेट वगैरह नहीं दे सकते क्योंकि मेरे टेलिफोन मद्रास वगैरह होते रहते हैं। महोदय, इस राज्य सभा की वजह से मुझे मद्रास देखने का सौभाग्य हासिल हुआ नहीं तो शायद मैं अपनी उम्र भर मद्रास नहीं जा सकता था। मेरी समझ में नहीं आता है कि क्या मैं कोई बिजनेस करता हूं। मैंने आज तक कोई बिजनेस नहीं किया मेरा कोई प्रोफेसन नहीं है। मैं 8-10 साल से एग्रीकल्चर में एन्गेज्ड हूं। मेरी वहां कोई रिश्तेदारी भी नहीं है, जानकार भी नहीं हैं और न कोई दोस्त भी है। मैं ओथ लेकर कह सकता हूं। इन के विभाग ने जो लिखा है आप उसकी जांच करवा लें। आपके डिपार्टमेंट वाले जिन लोगों से मिले हुये हैं, उनके कामर्सियल कालस यदि मेरे ऊपर डाल दे तो उसकी जिम्मेदारी मेरी नहीं है महोदय, हाउस में हमेशा इस तरह की शिकायत होती रहती है। मैंने इस बारे में रिव्यु पिटीशन की है लेकिन आज मैं हाउस के अन्दर कहूंगा कि मैंने आपको एक मर्सी पिटीशन भेजी है कि आप मेरे हाल पर मेहरबानी कीजिये। मैं 21 हजार रुपये कहां से लाऊंगा। ...(व्यवधान)... चेयरमैन साहब मैं पर्सनल तौर पर बीर बहादुर सिंह जी से यह इलतजा करूंगा कि वे मेरे हाल पर मेहरबानी फर्मायें। मैंने तीन दिन हुये उन्हें चिट्ठी भी लिखी है। आप के डिपार्टमेंट वाले दूसरे मेट्रोपोलिटन सिटीज के नाम मेरे जिम्मे लगा देते हैं। आप यह तो बताइये कि मैं मद्रास में क्या करता हूं मैं गुड़गांव में क्या करता हूं? मैं बम्बई में क्या करता हूं। मेरी रिश्तेदारियां कहां हैं? आप सी०बी०आई० से इंक्वायरी करवा लें।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: सभापति महोदय, जो नम्बर मद्रास का दिया गया है वह जयललिता का है। ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तियार सिंह मलिक: खैर, सरदार साहब तो किसी का नम्बर बता रहे हैं। मैं इस एज के अन्दर, मेरी तो 78 साल की एज हो गई है। (व्यवधान)

श्री कपिल वर्मा: वह इस नम्बर से वाकिफ हैं। ... (व्यवधान) ...

श्री मुख्तियार सिंह मलिक: सरदार साहब जवान हैं, वह नम्बर से जाति तौर से वाकिफ हैं।... (व्यवधान) ...

श्री सभापति: आपके यहां तो कभी नहीं आया न।... (व्यवधान)...

श्री मुख्तियार सिंह मलिक: तो मैं जो यह सिस्टम था उसकी बाबत कह रहा था कि यह सिस्टम कब से जारी है और कब तक इसके सक्सैस होने की संभावना है। जरा करम-फरमाई करें यह बताने की क्योंकि इससे सारा करप्शन दूर हो जायेगा, अगर यह कोड नम्बर डीसीपीए मिल जायेगा हमें।

श्री बीर बहादुर सिंह: मान्यवर, अभी इसको तीन महीने के लिये एक्सपैरिमेंटल बेसिज पर शुरू किया गया है, सक्सैसफुल हो जाने के बाद इसको शुरू करेंगे। जहां इलेक्ट्रानिक एक्सचेंज लगे हैं एचएनवी, वहां पर शुरू किये गये हैं – दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, कानपुर, गाजियाबाद, लुधियाना और भी शहरों में जहां-जहां इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज लगे हैं खास तौर से एच एन वी, सब जगह शुरू करने जा रहे हैं। तीन महीने के लिये एक्सपैरिमेंटल बेस पर करेंगे और उसके बाद फिर करेंगे और जहां तक माननीय सदस्य के टेलीफोन के बिल का सवाल है इसकी मैं जांच कराऊंगा और जो सही होगा वही होगा।...(व्यवधान)...

"This introduction will depmd upon the success cf the experiment and the facility will be provided to all E..l0b exchanges only."

तो मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि कौन से एरियाज हैं क्योंकि मैं तो इसको समझ नहीं सका कि ई–10 बी केटेगरी में कौन से एरियाज फाल करते हैं।

श्री बीर बहादुर सिंह : माननीय सदस्य यह इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज हैं, उसका नाम है एचएनवी । इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज में भी लगेगा और यह जो एक्सचेंज जो है – क्रासबार है या स्ट्राउजर में, इसमें दूसरा सिस्टम है, देखना पड़ेगा लेकिन इसमें तो यही सिस्टम है ।

श्री मुख्तियार सिंह मलिक: मेरा टेलीफोन आ जायेगा या नहीं आयेगा ?

श्री बीर बहादुर सिंह : आपका इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज है ? अगर इलैक्ट्रानिक होगा तो जल्दी आ जायेगा ।

श्री सभापति : श्री शांति त्यागी ।

श्री शांति त्यागी : जी नहीं, नो क्वेश्चन ।

श्री सभापति : नहीं पूछ रहे हैं आप ।

SHRI VISHWA BANDHU GUPTA: Mr. Chairman, Sir, I think this facility that has been suggested is a very good one and we are looking forward to more and more hitech electronic facilities coming in communications. Sir, I would like to know whether, apart from this locking facility that might be provided, there are plans with the Department for having facilities for speedy telephoning. That is, if you have a number and if you are calling it many times you can call the first three digits and then it goes automatically and you can save the time of the Department as well as the person using it. Now. there are several such schemes and I would like to know from the hon. Minister whether there is some action in that direction.

श्री बीर बहादुर सिंह : अभी और हमने देखा नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : अगला सवाल कीजिए आप बहुत सारे सिस्टम हैं।

11. *[The questioner (Shri Satya Parkash Malaviya) was absent. For answer* vide *Cols.* 41-42 infra]

*12 *[The questioner (Shri Parvathaneni Upendra) was absent. For answer* Vide *Cols.* 42 infra]

Renovation and Modernisation of Thermal Power Plant at Talcher in Orissa

13. SHRI JAGADISH JANI:
SHRI BAIKUNTHA NATH SAHU:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state

(a) how much funds have been earmarked for the renovation and modernisation of the thermal power plant at Talcher in Orissa;

(b) how much money out of that is proposed to be spent by the Central Government;

(c) whether any external assistance has been sought for implementing that proposal; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

The question was actually asked on the floor of the House by Shri Jagadish Jani.